सैकेंडरी स्कूल परीक्षा
मार्च – 2007
अंक–योजना–हिंदी ('ब' दिल्ली) कोड संख्या 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

समान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक–योजना में दिए गए उत्तर–बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।

2. मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक–योजना पर भली–भाँति आद्योपांत विचार–विनिमय नहीं जो जाता तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।

3. मूल्यांकन–कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक–योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

4. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।

5. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।

6. यदि परीक्षार्थी ने किसी अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर भी लिख दिया है तो जिस प्रश्न का पहले हल किया गया है उस पर अंक दें और बाद में किए हुए को काट दें।

7. संक्षिप्त किंतु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवत उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्त्व देने की अपेक्षा है।

8. बार–बार की एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटें।

9. शब्द–सीमा से अधिक शब्द होने पर भी अंक न काटे जाएँ।

10. अपठित गद्यांश और काव्यांश के प्रश्नों में परीक्षार्थियों की समझ में अभिव्यक्तिगत योग्यता को अधिक महत्त्व न दिया जाए जिससे परीक्षार्थियों को अकारण हानि हो।

11. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर–बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 100 अंक दिए जाने चाहिए।

12. तारांकित प्रश्नों के उत्तर में, परीक्षार्थी के चिंतन (सोच) को महत्त्व देते हुए अंक दें।

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा–बोर्ड
अंक–योजना: मार्च–2008

विषय: हिंदी (पाठ्यकम ..'ब'..) कूटबंध सं 4/1/1,2,3 कक्षा दसवी

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ सं			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
				खण्ड – 'क'	
1	1	2	1	धर्मोन्माद से होने वाली हानि को समझा।	
	क	क	क	धर्म से पैदा होने वाले भेदभाव को अनुभव किया।	
				शांति व्यवस्था व सद्भावना के लिए तर्क बुद्धि अपनाई।	1+1=2
				धर्म की कल्याणकारी भूमिका को भी समझा।	
				(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	
				देशों के बीच की भौगोलिक दूरियाँ कम हुई।	
	ख	ख	ख	एक दूसरे को समझने की शक्ति बढ़ी।	
				आपसी मन–मुटाव कम हुए।	1+1=2
				अंतर्राष्ट्रीयता की भावना बढ़ी।	
				(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	
	ग	ग	ग	वर्ण भेद की समस्या संसार के आज भी विद्यमान है	
				आपसी वैमनस्य बढ़ा है।	
				मनुष्य–मनुष्य का सम्मान नहीं कर रहा, जिससे आपसी	1+1=2
				दूरियाँ बढ़ी हैं। वर्णों के बीच की खाई बढ़ती ही जा	
				रही हैं।	
				लोग ऊँच–नीच की भावना से ग्रस्त हो रहे हैं।	
				अखंड विश्व की कल्पना साकार नहीं हो पा रही।	
				(किन्ही दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	
	घ	घ	घ	उन्होंने विश्व कल्याण के लिए सुख, शांति व प्रेम को	1
				फैलाने का कार्य किया।	
	ङ	ङ	ङ	समस्त प्राणियों में श्रेष्ठ वह अमृत संतान है। असीम	
				शक्तियों का भंडार है। असाध्य को भी साध्य बना	
				सकता है। अपने विवेक से सुख–समृद्धि प्राप्त करता है।	1+1=2
				(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
	च	च	च	शिक्षा के व्यापक प्रसार के द्वारा।	1
	छ	छ	छ	अत्याचारी	1
	ज	ज	ज	शिक्षा और मानव कल्याण (कोई अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें)	1 =12
2	2	1	2		
	(i)	(i)	(i)	मजदूर के माध्यम से श्रम का महत्व प्रतिपादित किया गया है।	1
	(i)	(ii)	(ii)	काल्पनिक स्वर्ग के प्रति मजदूर की विरक्ति है क्योंकि वह धरती पर स्वयं स्वर्ग बनाने की क्षमता रखता है।	2
	(iii)	(iii)	(iii)	मजदूर किसी भी दुख, अभाव व संकट–कालीन परिस्थिति में प्रसन्न व निर्भय रह सकता है। प्राकृतिक व भौतिक विपत्तियों में वह अपनी निर्भयता प्रकट करता है।	1+1=2
	(iv)	(iv)	(iv)	मजदूर के मैं की व्यापकता यह है कि भिन्न–भिन्न प्रकार के अभावग्रस्त और श्रम से जुड़े लोग उस का ही रूप हैं।	2
	(iv)	(iv)	(iv)	मुझे स्वर्ग से कोई सरोकार नहीं, मुझमें इतनी क्षमता है कि मैं इसी धरती पर बार–बार स्वर्ग का निर्माण कर सकता हूँ।	1 =8
				अथवा	
	(i)	(i)	(i)	मृत्यु अंत नहीं है, इसके बाद भी जीवन है यह केवल एक परिवर्तन है। विश्राम–मात्र है।	1

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
	(ii)	(ii)	(ii)	जीव अपनी यात्रा में मृत्यु के समय कुछ क्षणों के लिए रुकता है। इसके बाद फिर उसकी जीवन यात्रा प्रारंभ हो जाती है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	सरिता से, क्योंकि जिस प्रकार सरिता मनुष्य को ताज़गी और स्फूर्ति देती है, मृत्यु भी जीव को नव जीवन–रूपी ताज़गी देती है।	1+1=2
	(iv)	(iv)	(iv)	वह नवीन शक्ति पाता है। नई देह की नई ताज़गी लेकर वह नई जीवन–यात्रा प्रारंभ करता है।	1+1=2
	(v)	(v)	(v)	सच्चा प्रेम त्याग और बलिदान की अपेक्षा करता है। यदि उसमें त्याग न हो तो उसे 'निष्प्राण' कहते हैं।	1+1=2 =8
				खण्ड – 'ख'	
3	3	4	4		
				पत्र – (i) आरंभ व अंत की औपचारिकताओं के निर्वाह के लिए।	1+1
				(ii) विषय के संदेश के लिए।	2
				(iii) भाषा के लिए।	1
4	4	3	3		=5
				अनुच्छेद – (i) विषय – वस्तु	3
				(ii) भाषा शैली	2
					=5
				(अनुच्छेद में दिए गए विचार–बिंदुओं का विस्तार होना चाहिए)	

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
				खण्ड – 'ग'	
5	5(i)	-	-	शब्द–वर्णो का सार्थक समूह, जो स्वतंत्र अर्थ देने की क्षमता रखता है तथा जिससे पदों का निर्माण होता है। जैसे–'रानी', 'लक्ष्मीबाई', 'वीरांगना', ये सभी शब्द हैं। पद – शब्द जब व्याकरण के नियमों में बँधकर वाक्य में प्रयुक्त होता है तब 'पद' कहलाता है। जैसे–'रानी', 'लक्ष्मीबाई', 'वीरांगना', थीं।	1+1=2
	(ii) (क) (ख)	-	-	क्रियाविशेषण पदबंध विशेषण पदबंध	 1 1
	-	5(i)	-	वर्णो का सार्थक समूह शब्द कहलाता है। वाक्य मे प्रयोगसे पूर्व वह शब्द है और वाक्य में प्रयुक्त हो जाने पर उसे पद कहा जाता है। इस प्रकार इस वाक्य के पद हैं– पिताजी का / पत्र / मुझे / आज ही / मिला / है / ये सभी पद प्रयोग से पूर्व शब्द थे पिता / पत्र / मैं / आज हो / मिलना (किसी एक पद और शब्द का उल्लेख) आवश्यक	1+1=2
		(ii) (क) (ख)		विशेषण पदबंध । क्रियाविशेषण पदबंध।	 1 1
	-	-	5 (i)	पद–शब्द जब व्याकरण के नियमों में बँधकर वाक्य में प्रयुक्त होता है, तब 'पद' कहलाता है। 'दक्षिण से उत्तर तक भारत एक है। वाक्य में आए सभी शब्द 'पद' हैं।	

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
			(ग)	वह एकांत कमरे में पढ़ने गया ताकि परीक्षा की तैयारी कर सके।	1 x 4 = 4
			(घ)	सबेरा होता है और चिड़ियाँ चहकने लगती हैं।	
7	7			पीताम्बर	
	क			प्रति + एक	
	ख			नीला है जोअंबर / नीला है अंबर जिसका / नीले अंबरवाला	
	ग			अव्ययी भाव	
	घ			अनु (उपसर्ग)	
	ङ			विमल, विशेष, आदि कोई भी उपयुक्त शब्द लिखने परअंक दिए जाएँ।	0.5 x 8 = 4
	च			हार (प्रत्यय)	
	छ			बचपन, लड़कपन अन्य कोई भी उपयुक्त शब्द लिखने पर अक दिए जाए.	
	ज				
	-	7	-	परमेश्वर	
		(क)		यदि + अपि	
		(ख)		दश हैं आनन जिसके	
		(ग)		तत्पुरुष	
		(घ)		उप (उपसर्ग)	
		(ङ)		सुयश, सुयोग्य अन्य कोई भी उपयुक्त शब्द लिखने पर अंक दिए जाएँ	0.5 x 8 = 4
		(च)		आऊ (प्रत्यय)	
		(छ)		रँगीला, चमकीला, सुरीला अन्य कोई भी उपयुक्त शब्द लिखने पर अंक दिए जाएँ	
		(ज)			

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
	-	-	7		
			(क)	नीलाकाश	
			(ख)	सु + आगत	
			(ग)	लाभ और हानि	
			(घ)	कर्मधारय	0.5 x 8 = 4
			(ङ)	अभि (उपसर्ग)	
			(च)	कुपुत्र, कुमार्ग (अन्य कोई भी उपयुक्त शब्द लिखने पर अंक दिए जाएँ)	
			(छ)	इयल (प्रत्यय)	
			(ज)	रंगीन, नमकीन (अन्य कोई भी उपयुक्त शब्द लिखने पर अंक दिए जाएँ)	
8	8	8	8		
	(क)	(क)	(क)	(क) उपयुक्त सार्थक वाक्य प्रयोग पर अंक दिए जाएँ।	2
	8		-	(i) बदर क्या जाने अदरक का स्वाद।	
	(ख)			(ii) आँखों में धूल झोंक कर।	1+1
	-	8	-	(i) एक अनार सौ बीमार।	
		(ख)		(ii) अपने पैरों पर खड़ा है।	1+1
	-	-	8	(i) ईंट से ईंट बजाना।	
			(ख)	(ii) पोल खुल जाती है / मिट्टी पलीत हो जाती है।	1+1
9	9(i)	-	-	आग–अनल, पावक, अग्नि आदि हाथी – गज, हस्ती मतंग आदि (किसी एक के दो पर्याय)	0.5+0.5 = 1

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
	(ii)			विलोम शब्द – अंत, पतन, मृत्यु, हानि (किन्हीं दो के विलोम)	0.5+0.5= 1
	(iii)			कुल – समस्त, वंश कर – हाथ, किरण, क्रिया (किसी एक शब्द के दो भिन्नार्थक प्रयोग पर अंकदें)	1 + 1 = 2
	-	9	-		
		(i)		आकाश – गगन, व्योमनभ आदि नदी – सरिता, निर्झरिणी, तटिनी । आदि (एक शब्द के दो पर्याय)	0.5+0.5=1
		(ii)		विलोम शब्द – इति, अपकार, सुप्त, वियोग (किन्हीं दो के विलोम)	0.5+0.5=1
		(iii)		अलि – भँवरा, सखी। वर्ण – रंग, अक्षर, जाति। (किसी एक शब्द के दो भिन्नार्थक प्रयोग पर अंक दे)	
			9		
			(i)	कमल – जलज, नीरज, अरविंद, राजीव। गणेश – गजानन, विनायक, लम्बोदर। (किसी एक के दो पर्याय)	0.5+0.5=1
			(ii)	विलोम – चल, मधुर, निर्दय, विपत्ति। (किन्हीं दो के विलोम)	0.5+0.5=1
			(iii)	राज – शासन, कारीगर, मकान बनाने वाला। मधु – शहद, मीठा। (किसी एक शब्द के दो भिन्नार्थक प्रयोग पर अंक दे)	1+1=2

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
(10)	10	11	11	खंड 'घ'	
	(क)	(क)	(क)	श्रीकृष्ण का साँवला शरीर मानो नीलम का पर्वत है और शरीर पर पड़ा हुआ पीला दुपट्टा मानो ऐसा लगता है जैसे प्रातः कालीन सूर्य की किरणों से वह नीलमणि पर्वतहैं जिनसे जगमगा रहा है।	2
	(ख)	(ख)	(ख)	गोपियाँ श्रीकृष्ण से बातें करने का सुख पाना चाहती थी। उन्हें विश्वास था कि मुरली माँगने के बहाने कृष्ण उनसे बातें करेंगे इसलिए उन्होंने बाँसुरी छिपली।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	तपोवन में तप होता है, जहाँ परस्पर सद्भाव और मैत्री का वातावरण होता है। यहाँ शत्रुता नहीं होती। भयंकर गर्मी से बचने के लिए पेड़ों की छाँह में हिरण और बाघ, साँप और मोर जैसे परस्पर शत्रु भी शत्रुता भुला कर साथ–साथ बैठे दिखाई देते है।	2
				अथवा	
	(क)	(क)	(क)	कवि – रवीन्द्रनाथ ठाकुर कविता – 'आत्मत्राण'।	1
	(ख)	(ख)	(ख)	कवि करुणामय ईश्वर से अनुनय कर रहा है।	1
	(ग)	(ग)	(ग)	कठिन से कठिन दुखों में भी ईश्वर पर विश्वास बना रहेऔर उसकी करुणा पर संदेह न हो।	2
	(घ)	(घ)	(घ)	कवि की परमात्मा से यह प्रार्थना है कि वह उसे निर्भयता की शक्ति प्रदान करे ताकि वह दुखों के भार का स्वयं सामना कर सके।	2

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
(11)	11 (क)	12 (क)	10 (क)	निंदा करने वाले से दूरी नहीं बढ़ानी चाहिए। उसे पास ही रखना चाहिए। वह हमारे दोषों को बताएगा, जिन्हें दूर कर हम अपने स्वभाव को निर्मल बना सकते हैं।	3
	(ख)	(ख)	(ख)	कवि उन मनुष्यों को ही महान मानता है, जिनके मन में अपने और अपनों के हित–चिंतन से पहले दूसरों का हित–चिंतन हो। उसमें ऐसे गुण हों कि इस संसार से जाने के बाद भी वे दूसरों द्वारा याद किए जाएँ।	3
	(ग)	(ग)	(ग)	तालाब की निर्मलता दिखाने के लिए। आसपास का प्राकृतिक दृश्य उसमें प्रतिबिम्बित होकर मनोरम लग रहा है। पर्वतमाला की छवि नीचे ताल में स्पष्ट दिखाई देरही है। मनोरम प्रकृति का सौन्दर्य चारों ओर झलक रहाथा।	3
	(घ)	(घ)	(घ)	महादेवी अपने प्राण–दीप से आग्रह कर रही है कि वह दूसरों को निरंतर प्रकाशित करने के लिए जलता रहे ताकि परमात्मा तक पहुँचने का मार्ग प्रशस्त हो। जीवन में आनंद व पुलक प्राप्त हो तथा संसार का पथ आलोकित हो। (किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	3
12	12 (क)	13 (क)	14 (क)	कंपनी बाग में तोप पराधीनता के दमन चक्र और आतंक की प्रतीक है जो हमें याद दिलाती है कि ब्रिटिश सत्ता ने इसी तोप के बलपर भारत में अपना दमन चक्र चलाया। आतंक की प्रतीक तोप को स्वतंत्र भारत में इसलिए रखा गया है कि हम पराधीनता की पीड़ाओं को याद रखते हुए स्वतंत्रता का मूल्य समझें।	3+3+3=9

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
				तोप के ऊपर बैठी चिड़िया और उस पर झूला झूलते बच्चे इस बात का प्रतीक हैं कि अत्याचार और अनाचार सदा के लिए कायम नहीं रहते।	3
	(ख)	(ख)	(ख)	मीरा कृष्ण की एकनिष्ठ भक्त हैं। वे हर स्थिति में कृष्ण का सामीप्य चाहती हैं, अतएव उन्होंने कामना की है कि सेविका के रूप में वह हर समय कृष्ण सेवा में निरत रहें। इससे उन्हें कृष्ण के दर्शन लाभ और प्रेम की प्राप्ति होगी। अपना अहम् भूलकर कृष्ण चरणों में स्वयं को निछावर करते हुए वे एकनिष्ठ भाव से कृष्ण की चाकरी करना चाहती है।	2
13	13	10	12		
	(क)	(क)	(क)	समुद्र तट पर संध्या काल के समय सूर्य अस्त हो रहा था। ठंडी हवा बह रही थी। चिड़ियों की चहचहाहट धीरे–धीरे कम हो रही थी।	2
	(ख)	(ख)	(ख)	तत्तारा डूबते हुए सूर्य के सौन्दर्य को देखता हुआ विचार मग्न था। दूर से आती हुई मधुर संगीत की ध्वनि में वह खोया हुआ था कि लहरों के तीव्र वेग ने उसकी तंद्रा भंग कर दी।	2

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
	(ग)	(ग)	(ग)	गायन से प्रभावित हो तताँरा सुध–बुध खो विकल होगया। गीत के स्वर जिस दिशा से आ रहे थे उधर बढ़ते हुए उसने देखा कि एक युवती डूबते हुए सूरज के सौंदर्य को देख ती हुई एक श्रृंगार गीत गा रही थी।	2 = 6
				अथवा	
13	13 (क)	10 (क)	12 (क)	• वर्सोवा में जहाँ पहले दूर तक जंगल थे अब वहाँ घरबन गए थे। समंदर के किनारे लंबी – चौड़ी बस्तियाँ बन गई थी जिन्होंने जिनने पक्षियों के धरौंदे छीन लिए।	2
	(ख)	(ख)	(ख)	• दो कबूतरों ने लेखक के फ्लैट में घोंसला बना लिया जिसके कारण वे दिन–भर कई –कई बार घर में आते जाते। कभी कभी चीज़ों को गिराकर तोड़ देते। लाइब्रेरी को गंदा कर देते।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	• लेखक की पत्नी ने कबूतरों के घोंसले के सामने एक जाली लगा कर दी थी। उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया। उन के आने की खिड़की को बंद कर दिया।	2 = 6

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
14	14 (क)	15 (घ)	15 (ग)	सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्रियों का विशेष सहयोग था। गुजराती सेविका संघ के जुलूस में पुलिस ने बहुत सी लड़कियों को गिरफ्तार किया। मारवाड़ी बालिका विद्यालय ने झंडा उत्सव मनाया। जगह–जगह से स्त्रियाँ अपना जुलूस निकाल कर ठीक स्थान पर पहुँचने की कोशिश कर रहीं थीं। पुलिस के लाठी चार्ज की परवाह किए बिना स्त्रियाँ बड़ी संख्या में गौन्यूमेन्ट में पहुँची और उसकी सीढ़ियों पर चढ़कर झंडा फहराया और घोषणा पढ़ी। पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लाल बाज़ार भेजने पर भी उनका उत्साह कम नहीं हुआ। मदालसा सहित 105 स्त्रियों को गिरफ्तार किया गया।	3
				(कमसेकम तीन बिंदुओं का समावेश हो)	
	(ख)	(ग)	(क)	निकोबार द्वीप समूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का यह विश्वास था कि प्राचीन काल में दोनों द्वीप एक ही थे। उनके विभक्त होने के पीछे	

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
				एक लोक कथा प्रचलित थी कि तताँरा–वामीरो का प्रेम सफल न हो सका क्योंकि दोनों एक ही गाँव के नहीं थे। अपने प्रेम की असफलता देखकर तताँरा ने अपने क्रोध का शमन करने के लिए लकड़ी की तलवार को धरती पर घोंप दिया और उसे खींचते– खींचते दूर पहुँच गया। इस प्रकार द्वीप के दो टुकड़े हो गए।	3
	(ग)	(क)	(घ)	• ओचुमेलॉव एक पुलिस इंस्पेक्टर था जो दिखाने के लिए भीड़ के लोगों पर रौब गाँठते हुए उन्हें डाँटता है पर वास्तव में वह एक ढुलमुल प्रकृति का व्यक्ति है। • वह घबराने वाला व्यक्ति है जो स्थिति का सामना नहीं करपाता।	
				• गिरगिटिया चरित्र है। स्थिर चित्त का व्यक्ति नहीं है। पहले ख्यूक्रिन की बात मानता है पर कुत्ता जनरल का है यह जानकर उसे ही दोषी मानता है। • चापलूस किस्म का व्यक्ति है वह जनरल की चापलूसी करके उन्हें खुश रखना चाहता है। • वह घोर स्वार्थी है। कोई मरे या जिए, उसे सिर्फ अपने से मतलब होता है। (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख)	3

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
★	(घ)	(ख)	(ख)	बढ़ती हुई आबादी को रहने के लिए अधिक भूमि की आवश्यकता पड़ी जिससे वनों को काटा गया, समुद्र को सिकोड़कर रख दिया। प्रकृति में आए इस असंतुलन के कारण मौसम अनिश्चित हो गया। अधिक गरमी, बेमौसम बरसात, तूफान, भूकंप, बाढ़, और नए–नए रोगों का प्रकोप बढ़ा । इसके साथ वैज्ञानिक प्रगति ने विषैले तत्वों से सम्पूर्ण पर्यावरण को दूषित कर दिया। मनुष्य स्वच्छ वायु में साँस लेने को तरस गया।	3
15	15 (क)	14 (क)	13 (क)	आदर्शवादी लोग आदर्श को बनाए रखते हैं । वे शाश्वत मूल्यों की रक्षा करते हैं। उन्होंने ही समाज के दूसरे लोगों की उन्नति में योगदान दिया है। 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर गाँधीजी ने आदर्शों को व्यावहारिकता के स्तर पर उतरने नही दिया बल्कि व्यावहारिकता को आदर्शों के स्तर पर चढ़ाते रहे तभी तो उन्होंने भारतीय जन–मानस का नेतृत्व किया।	3
	(ख)	(ख)	(ख)	वजीर अली को पकड़ने के लिए अंग्रेज कर्नल जंगल में खेमा गाड़े बैठा था। वहीं वज़ीर अली निर्भयतापूर्वक जान की बाजी लगाकर खेमे मे घुसा। उसने कर्नल से 'वज़ीर अली' को मारने के लिए दस कारतूस माँगे जबकि वह स्वयं वजीर अली था। इस प्रकार वज़ीर अली ने कर्नल को मात दी।	2

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
16	16 (क)	-	-	हरिहर काका की जीने की लालसा में बढ़ी बेचैनी और छटपटाहट की तुलना लेखक ने बीच मझधार में फँसी नाव पर सवार लोगों से की है, जो चिल्लाकर भी अपनी रक्षा न कर सकते हों। उनकी चिल्लाहट दूर तक फैले सागर के बीच उठती–गिरती लहरों में विलीन हो जाने के अतिरिक्त कर ही क्या सकती है ? मौन होकर जल–समाधि लेने के अतिरिक्त कोई दूसरा विकल्प नहीं। उसी प्रकार हरिहर काका अपने भाइयों और ठाकुर बाड़ी के महंत के बीच झूल रहे हैं और यंत्रणाओं के बीच घिरे हैं जहाँ मुँह खोलने की जरुरत नहीं पड़ती।	2
	(ख)			मुअन्तली के दिनों में प्रीतमचंद ने बाजार में दुकान के ऊपर छोटी खिड़कियों वाला चौबारा किराए पर ले लिया आराम से जीवन बिताने लगे। उन्हें मुअन्तली की कोई चिंता नहीं थी। अपने दोनों तोतों की सेवा–सुश्रूषा कर रहे थे। पहले से भीगे हुए बादामों का छिलका उतार कर उन्हें खिलाते रहते थे।	2 =4
		16 (क)		ठाकुर बाड़ी के प्रति गाँव के लोगों के मन में भक्ति भावना भरी थी इसलिए सबने मंदिर का विस्तार कराया किसी भी पर्व–त्योहार की शुरुआत ठाकुर बाड़ी से होती होली पर सबसे पहला गुलाल ठाकुरजी पर चढ़ाया जाता, दी	

प्रश्न	प्रश्नपत्र गुच्छ			उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु	अंक और अंक विभाजन
	1	2	3		
				पावली पर पहला दिया ठाकुरबाड़ी में जलता। जन्म, शादी, जनेऊ में अन्न वस्त्र की भेंट ठाकुरजी के नाम की जाती। खलिहान की फसल का प्रथम अंश देवता के लिए ठाकुर बाड़ी में चढ़ाया जाता, क्योंकि लोगों का अपार विश्वास था कि फसल ठाकुरजी की कृपा से होती है. मुकदमे में जीत, लड़की की शादी, पुत्र–प्राप्ति आदि सब पर उन्हीं की कृपा मानी जाती थी।	2
		(ख)		छुट्टियों का काम पूरा करने के लिए वह यह योजना बनाते कि गणित के दो सौ सवालों को दस सवाल प्रतिदिन के हिसाब से बीस दिन में पूरा कर लेंगे पर साथ ही छुट्टियाँ बीतने लगती और एक–एक दिन गिनते दस दिन खेल–कूद मे बीत जाते। तब सोचते कि दस की बजाय 15 सवाल आसानी से किएजा सकते हैं। इस प्रकार एक–एक दिन गिनते दस दिन खेल–कूद में और बीत जाते। तब स्कूल में पिटाई का डर और बढ़ने लगता।	2 =4
			16 (क)	महंतजी हरिहर काका को एकांत कमरे में बिठाकर समझाने लगे कि यहाँ कोई किसी का नहीं, सब माया का बंधन है। तुम तो धार्मिक प्रवृत्ति के मनुष्य हो, ईश्वर भक्ति में मन लगाओ । इसके अतिरिक्त तुम्हारा अपना कोई नहीं है। तुम्हारे भाई–बंधु तुम्हें इसलिए रखे हुए हैं क्योंकि तुम्हारे पास पंद्रह बीघे जमीन है। यदि तुम ये खेत इन्हे न देकर किसी दूसरे को दोगे तो ये रक्त के संबंध भी खत्म हो जाएँगे। अतः तुम ये खेत ठाकुरजी के नाम लिख दो तो तुम्हें बैकुंठ मिलेगा। तीन लोकों में तुम्हारी कीर्ति जगमगा उठेगी। जब तक सूरज चाँद रहेंगे तुम्हारा नाम रहेगा सब तुम्हारा यशोगान करेंगे और तुम्हारा जीवन सार्थक हो जाएगा।	2

			(ख)	छुट्टियाँ बीतने लगतीं तो लड़के दिन गिनने लगते। प्रत्येक दिन डर बढ़ता चला जाता। खेल–कूद और तालाब में नहाना भी भूलने लगता। मास्टरों ने छुट्टियों में करने के लिए जो काम दिया था उसका हिसाब लगाने लगते। जैसे–हिसाब के मास्टर जी दो सौ सवाल से कम कभी न देते तो मन में हिसाब लगाने लगते कि दस सवाल रोज करने से बीस दिन में सवाल पूरे हो जाएँगे। जब ऐसा सोचना शुरू करते तो छुट्टियों का एक महीना बाकी बचता। एक–एक दिन करते दस दिन और बीत जाते। स्कूल की पिटाई का डर और बढ़ने लगता। (किन्हीं तीन प्रश्नो के उत्तर अपेक्षित)	2 = 4
17	क	–	–	ननिहाल में नानी दूध–दही मक्खन खूब खिलातीं और बहुत प्यार करतीं। वे उनके बोलने के ढंग से व कम खाने के कारण बहुत खुश होतीं। ननिहाल में नानी के लाड़ प्यार से लेखक को बहुत खुशी मिलती।	2
	ख	–	–	इफ्फन को अपनी दादी से इसलिए प्यार था क्योंकि दादी उससे बहुत प्यार करती थी। उसे तरह–तरह की कहानियाँ सुनाया करतीं और उन्होंने कभी भी उसका दिल नहीं दुखाया।	2
	ग	–	–	टोपी जिस परिवार से था वहाँ अम्मी शब्द नहीं चलता था। इसलिए शब्द सुनकर घर वाले नाराज हुए।	2
	घ	–	–	गाँव के नेताजी ने हरिहर काका की जमीन के लिए यह प्रस्ताव रखा कि उनकी जमीन पर हरिहर उच्च विद्यालय के नाम से एक हाई स्कूल खोला जाए। इससे उनका नाम अमर हो जाएगा। (किन्हीं तीन प्रश्नो के उत्तर अपेक्षित)	2 = 6
	–	17 क	–	इफ्फन की दादी का हर शब्द टोपी के लिए इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि उनकी बोली उसकी माँ की बोली की तरह थी इसलिए उसे पसंद थी। उनके शब्दों में अपनत्व की मिठास थी। दादी उसकी माता जी को अम्मा कहती तो यह शब्द उसे गुड़ की डली की तरह लगता।	2

	–	ख	–	अंग्रेज अफसर जब लोगों को फौज में भरती करने के लिए आते तो अपने साथ नौटंकी वालों को लाते जो रात को खुले मैदान में शामियाना लगाकर लोगों को फौज के सुख–आराम, बहादुरी के दृश्य दिखा कर आकर्षित किया करते जिसे देखकर कुछ नौजवान फौज में भरती के लिए तैयार हो जाते।	2
	–	ग	–	सभी लड़के पीटी मास्टर से इसलिए डरते थे क्योंकि वे लड़कों की कतारों के पीछे खड़े–खड़े देखते कि सब कतार में सीधे खड़े हैं या नहीं। उनकी घुड़की व ठुड्डों से सभी डरते। कोई भी लड़का यदि सिर भी इधर–उधर हिलाता या पाँव से दूसरी पिंडली खुज लाता तो वे बाघ की तरह झपट कर खाल खींच देत	2
	–	घ	–	हरिहर काका की पत्नियों की मृत्यु के बाद उनके भाइयों की पत्नियों ने उनकी ओर ध्यान देना बंद कर दिया। यदि काका की तबियत खराब हो जाती तो कोई उन्हें पानी देने वाला तक नहीं होता। उन्हें स्वयं उठकर अपनीजरूरतों की पूर्ति करनी पड़ती इन्हीं क्षणों में भाइयों के परिवार के प्रति उनके मोह भंग की शुरुआत हुई। (किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	2 = 6
	–	–	17 क	चौथी श्रेणी के बच्चों को मास्टर प्रीतम चंद ने बहुत बर्बरसजा दी जिसे देख हेडमास्टर शर्माजी सहन नहीं कर पाए और इस बर्बता के लिए उन्हें मुअत्तल कर दिया थाइसलिए मास्टर प्रीतमचंद कई दिनों तक स्कूल नहीं आए थे।	2
	–	–	ख	टोपी जब भी पढ़ने बैठता तो मुन्नी बाबू को कोई काम निकल आता या उसकी माँ रामदुलारी उससे ऐसी चीजें मँगवाने के लिए बाज़ार भेजती जो किसी से मँगवाई नहीं जा सकती और फिर भैरव उसकी कॉपी के पन्नों से हवाई जहाज बना कर उड़ाता। इस प्रकार उसकी पढ़ाई में बाधा आती। उसे एक साल टाइफाइड भी हो गया था।	2
	–	–	ग	इफ्फन की दादी जमींदार की बेटी थीं जहाँ खूब दूध –दही–घी खाया–पिया जाता था। उनकी बोली पूरबी थी। घी पिलाई काली हाँडियों में असामियों के यहाँ से दही आता था। उनका घर मिट्टी का बना था।	2

	–	–	घ	'ओमा' का सिर हाँडी की तरह बड़ा था जो उसके ठिगने शरीर पर ऐसा लगता मानो बिल्ली के बच्चे के माथे पर तरबूज रखा हो। (किन्हीं तीन प्रश्नो के उत्तर अपेक्षित)	2 = 6